अहिंसात्मक रोजगार प्रशिक्षण विषयक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन

लाडनूं क नव बर, ख-।

मानवता के मसीहा आचार्य महाप्रज्ञ के पावन सान्निध्य में राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद का क्त्रवां राष्ट्रीय अधिवेशन पूज्य प्रवर के पावन आशीर्वाद से स पन्न हुआ जिसमें - राज्यों के लगभग एक सौ पचास संभागियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर सर्वस मति से नये सत्र में क्फ सूत्री प्रस्तावों पर कार्य करने की सहमति बनी जिसमें अहिंसा प्रशिक्षण के साथ-साथ नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण आदि प्रमुख है। इस अवसर पर संयोजन राष्ट्रीय संयोजक एवं अध्यक्ष भीखमचन्द नखत ने किया वहीं आभार ज्ञापन संगठन के विशिष्ट मार्गदर्शक डॉ. हीरालाल श्रीमाली ने किया। राष्ट्रीय सहसंयोजक डॉ. धर्मेन्द्र आचार्य एवं प्रो. साधुशरण सिंह सुमन आदि ने अपने विचार रखे। समापन के उपरान्त राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद द्वारा संचालित अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्रों के द्वारा राष्ट्र स्तर की एक अहिंसात्मक रोजगार विषयक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्घाटन किया गया। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ के पावन सान्निध्य में आयोजिज इस प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर अणुव्रत प्राध्यापक मुनि सुखलाल ने मंगल आशीष प्रदान किया जबकि प्रेक्षा प्राध्यापक मुनि किशनलाल, मुनि मोहजीत कुमार एवं मुनि जयंतकुमार ने प्रत्येक केन्द्र का प्रदर्शन को अवलोकन कर प्रेरणा प्रदान की। रोजगार केन्द्रों द्वारा लगाई गई इस विशेष प्रदर्शनी में समाज के दीन-दुर्लभ व जरूरतमन्द महिला-पुरुषों द्वारा तैयार वस्तुओं की कलात्मकता उनके अन्दर विकसित हो रहे रोजगार मूलक गुणों के विकास की जीवंत झांकी प्रस्तुत हो रही थी। प्रदर्शनी में सिलाई, कसीदाकारी, पेंटिंग थैला बनाना, जरी कार्य, अगरबžी-मोमबžी, बेकार चीजों से उपयोगी वस्तु बनाना, आयुर्वेदिक औषधि निर्माण, खाद्यान्न वस्तुओं के निर्माण आदि से जुड़ी सामग्रियों के उत्कृष्ट नमूने प्रस्तुत किए गए। प्रदर्शनी के प्रस्तुतिकरण में राष्ट्रीय संयोजक भीखमचन्द नखत तथा विशिष्ट मार्गदर्शक डॉ. हीरालाल श्रीमाली का दिशा निर्देशन महžवपूर्ण है। रोजगार प्रशिक्षण विषयक प्रदर्शनी प नव बर तक जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा परिसर में अवलोकन हेतु लगी रहेगी। इस प्रदर्शनी में पंजाब, हरियाणा, उžारप्रदेश, आन्ध्रप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों के फ्क केन्द्रों से ब्ब व्यक्तियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस तरह की सामग्री निर्माण एवं अहिंसात्मक रोजगार प्रशिक्षण का कार्य देश के फ्भ्ख केन्द्रों में आचार्य महाप्रज्ञ की अनुशासना में चल रहा है। इन केन्द्रों से नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर हजारों व्यक्ति आत्मनिर्भर बन चुके हैं।

सरदारशहर वासियों की जोरदार अर्ज पर आजचार्य महाप्रज्ञ ने की घोषणा

अक्षय तृतीया महोत्सव का आयोजन होगा सरदारशहर में

लाडनूं क नव बर।

राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने बड़ी सं या में पहुंचे सरदारशहर वासियों की अक्षय तृतीया महोत्सव हेतु जोरदार अर्ज पर एवं अपने स्वास्थ्य को केन्द्र में रखते हुए अक्षय तृतीया महोत्सव सरदारशहर में करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व में यह महोत्सव श्रीडूंगरगढ़ में करने की स्वीकृति दी गई थी पर गर्मी की तीव्रता एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस निर्णय को बदलकर अब यह महोत्सव सरदारशहर में करने का विचार है। उल्लेखनीय है कि अक्षय तृतीया महोत्सव के अवसर पर वर्षीतप करने वालों के द्वारा पारणा किया जाता है। इस दिन स पूर्ण देश से सैकड़ों तपस्वी महोत्सव में स मलित होने के लिए पहुंचते हैं।

इससे पूर्व युवाचार्य महाश्रमण ने अपनी जन्मभूमि एवं दीक्षाभूमि सरदारशहर के वासियों की अर्ज एवं श्रीडूंगरगढ़ के लिए की गई घोषणा पर चिंतन करना जरूरी बताते हुए कहा कि आचार्यश्री का स्वास्थ्य मु य है। स्वास्थ्य के लिए सरदारशहर में अक्षय तृतीया करने का चिंतन उपयुक्त लगता है। उन्होंने कहा कि श्रीडूंगरगढ़ को प्रदान किये गये चार महीने के प्रवास को पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा। वहां पर मर्यादा महोत्सव एवं महावीर जयंती के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम में सरदारशहर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा, चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति के संयोजक सुमति गोठी, आदर्श साहित्य संघ के अध्यक्ष नोरतनमल दुगड़ सरदारशहर तेरापंथ महिला मण्डल की सहमंत्री नीशा सेठिया, रतन दुगड़ ने भावपूर्ण अर्ज प्रस्तुत की एवं तेरापंथ कन्या मण्डल ने 'प्रभो! पधारो राजधानी में' गीत के द्वारा तेरापंथ की राजधानी सरदारशहर में जल्द पधारने की विनती की। मनीष पटावरी ने सुमधुर स्वरों में युवाओं की ओर से अक्षय तृतीय की अर्ज की।

जयपुर से पहुंचा संघ

लाडनूं, क नव बर।

जयपुर के वरिष्ठ एवं शासनसेवी श्रावक सागरमलजी बरड़िया के देहांत पर क्ष् जनों का संघ आचार्यश्री महाप्रज्ञ के दर्शनार्थ पहुंचा। सागरमलजी बरड़िया के सुपुत्र श्री राजेन्द्र बरड़िया श्री निर्मल बरड़िया के पारिवारिकजों सहित जयपुर श्रावक समाज से आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि सागरमल बरड़िया ने धर्मसंघ की खुब सेवा की है वे श्रद्धाशील थे और उसी सेवा भावना, संघनिष्ठा श्रद्धा भाव अपने पुत्रों में संक्रांत कर गये हैं। उन्होंने सागरमल बरड़िया के गुणों को सुरक्षित रखने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सेवानिवृž। प्रशासनिक अधिकारी श्री अरूण दुगड़, श्री राजकुमार बरड़िया एवं पोत्री खुशबू बरड़िया ने सागरमलजी बरड़िया के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।